vinetur

2026 की पहली छमाही में वैश्विक वाइन शिपमेंट में तेज गिरावट

औसत कीमतों ने 2025 के अंत की उस गिरावट से कुछ हद तक उबरना शुरू किया, जो अमेरिकी टैरिफ से जुड़ी थी, इसलिए निर्यात मूल्य मात्रा की तुलना में कम गिरे।

गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026



EU Wine Observatory की शरद बैठक में Del Rey AWM की प्रस्तुति के अनुसार, 2026 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय वाइन व्यापार पिछली छह महीनों की तुलना में कमजोर हुआ, और शिपमेंट में गिरावट मूल्य की तुलना में मात्रा में अधिक तेज रही।

बाजार विश्लेषण एक ऐसे क्षेत्र की ओर इशारा करता है जो अभी भी दबाव में है, लेकिन अब पिछले साल के अंत जैसी कीमतों की गिरावट नहीं दिखा रहा। Del Rey AWM ने कहा कि पहली छमाही में औसत कीमतें सुधरीं, जिससे कम शिपमेंट मात्रा का निर्यात राजस्व पर असर कुछ कम हुआ और यह संकेत मिला कि व्यापार माहौल उस स्थिति से अधिक स्थिर है जो 2025 की दूसरी छमाही में अमेरिका में टैरिफ झटके के बाद बनी थी।

कंपनी ने कहा कि 2025 के अंत में कीमतों में आई बड़ी गिरावट का संबंध अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी पर बाजार की प्रतिक्रिया से था, और फ्रांस सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल था। 2026 की पहली छमाही में यह मूल्य दबाव कम होता दिखा। प्रस्तुति के अनुसार, नतीजा यह रहा कि व्यापार प्रदर्शन कुल मिलाकर नकारात्मक बना रहा, लेकिन भौतिक मात्रा की तुलना में मूल्य के लिहाज से कम गंभीर था।

साल के पहले छह महीनों में बल्क वाइन की शिपमेंट कम रही और उस खंड से होने वाला राजस्व भी कमजोर रहा। Del Rey AWM ने इस बदलाव का आंशिक कारण अधिकांश उत्पादक देशों में छोटी फसलें बताया। कम वाइन उपलब्ध होने से बल्क उत्पाद के निर्यात पर दबाव पड़ा। साथ ही, ऊंची कीमतों और कमजोर मांग ने सुस्ती और बढ़ाई, जिससे कई प्रमुख व्यापार मार्गों पर खरीदारी गतिविधि सीमित रही।

इसका असर यूरोपीय संघ के भीतर भी दिखा, जहां EU के भीतर वाइन व्यापार पर भी यही दबाव रहा—सीमित आपूर्ति, बढ़ती कीमतें और कमजोर मांग का मिश्रण। प्रस्तुति में कनाडा के अमेरिका को किए गए निर्यात को भी कमजोर क्षेत्र के रूप में पहचाना गया। लंबी दूरी के आपूर्तिकर्ता भी प्रभावित हुए, जिनमें चिली और न्यूज़ीलैंड शामिल थे, जिनके प्रमुख आयात बाजारों को किए गए शिपमेंट इस छमाही में घट गए।

पहली छमाही का रुझान यह संकेत देता है कि वैश्विक वाइन बाजार अभी भी एक अस्थिर दौर के बाद समायोजन की प्रक्रिया में है, जिसमें व्यापार नीति से जुड़े झटके और आपूर्ति संबंधी बाधाएं दोनों शामिल थीं। 2025 के अंत में उत्पादकों और निर्यातकों को न केवल अमेरिका में टैरिफ बदलावों पर, बल्कि उसके बाद हुई कीमतों में सुधारात्मक गिरावट पर भी प्रतिक्रिया देनी पड़ी थी। 2026 की शुरुआत तक ये समायोजन अधिक स्थिर चरण में जाते दिखे, हालांकि व्यापक हालात अब भी कठिन बने रहे।

Del Rey AWM की प्रस्तुति ने वाइन श्रेणियों के बीच स्पष्ट अंतर दिखाया। बोतलबंद स्टिल वाइन ने पहली छमाही में स्पार्कलिंग वाइन की तुलना में अधिक तेज गिरावट दर्ज की। इसके विपरीत, स्पार्कलिंग वाइन ने औसत कीमतों में सुधार के सहारे मूल्य के लिहाज से कुछ वृद्धि दर्ज करने में सफलता पाई। इसका मतलब यह है कि इस खंड ने, शिपमेंट मात्रा में वही मजबूती न होने के बावजूद, अधिक राजस्व उत्पन्न किया, जैसी मजबूत बाजार अवधियों में दिखती है।

स्पार्कलिंग वाइन का बेहतर प्रदर्शन कंपनी द्वारा पहचाने गए एक लंबे रुझान को जारी रखता है। प्रस्तुति के अनुसार, समय के साथ स्पार्कलिंग वाइन ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अन्य वाइन श्रेणियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। यह पैटर्न तब और महत्वपूर्ण हो गया है जब स्टिल वाइन उत्पादकों को प्रमुख गंतव्यों में कमजोर मांग और मात्रा पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

श्रेणियों के बीच यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाता है कि उपभोक्ता और आयातक ऊंची कीमतों और सीमित आपूर्ति पर कैसे प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जब समग्र मांग कमजोर पड़ती है, तो मजबूत ब्रांड पहचान या अधिक लचीली स्थिति वाले उत्पाद व्यापक स्टिल वाइन श्रेणियों की तुलना में मूल्य को बेहतर बनाए रख सकते हैं। Del Rey AWM ने बैठक से जारी सारांश में देशवार विस्तृत आंकड़े नहीं दिए, लेकिन उसके टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि व्यापार प्रदर्शन में उत्पाद श्रेणी-मिश्रण की भूमिका अधिक हो रही है।

पहली छमाही के आंकड़े बल्क वाइन में जारी कमजोरी की ओर भी इशारा करते हैं, जो अक्सर फसल के आकार, स्टॉक स्तर और मूल्य प्रतिस्पर्धा में उतार-चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होती है। जब उत्पादक देशों में फसलें छोटी होती हैं, तो बल्क उपलब्धता आमतौर पर तेजी से सिमटती है। इससे कीमतें बढ़ सकती हैं, लेकिन इससे व्यापारित मात्रा घट सकती है और निर्यात चैनलों के जरिये कुल आवागमन कम हो सकता है। ऐसे बाजार में, जहां मांग पहले से ही कमजोर हो रही है, यह संयोजन राजस्व में समान वृद्धि के बिना कम मात्रा पैदा कर सकता है।

यूरोपीय निर्यातकों के लिए, प्रस्तुति संकेत देती है कि व्यापार वातावरण पिछले साल के अंत की तुलना में कम अस्थिर हुआ है, लेकिन अभी भी इतनी मजबूती नहीं आई है कि व्यापक सुधार को सहारा दे सके। यूरोप के बाहर के आपूर्तिकर्ताओं

के लिए, खासकर जो लंबी दूरी तय कर माल भेजते हैं, कमजोर मांग का दबाव भाड़ा-जोखिम और गंतव्य बाजारों में अधिक चयनात्मक खरीद के कारण और बढ़ता दिखता है।

अमेरिकी बाजार को कनाडा के कमजोर निर्यात भी इसी पैटर्न में फिट बैठते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण वाइन गंतव्यों में से एक बना हुआ है, और वहां टैरिफ, कीमतों और उपभोक्ता मांग में बदलाव आपूर्तिकर्ता देशों को जल्दी प्रभावित कर सकते हैं। Del Rey AWM का आकलन बताता है कि 2026 की पहली छमाही में ये प्रभाव अब भी दिख रहे थे, जबकि कीमतें पहले की बाधा से उबरना शुरू कर चुकी थीं।

प्रस्तुति ने 2026 को मजबूत वापसी के बजाय स्थिरीकरण के वर्ष के रूप में प्रस्तुत किया। यह एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय वाइन व्यापार को दर्शाता है जो कुछ क्षेत्रों में अब भी सिमट रहा है, लेकिन 2025 की दूसरी छमाही को परिभाषित करने वाली व्यापक कीमत गिरावट अब नहीं दिख रही। व्यावहारिक रूप से, क्षेत्र को कम वाइन भेजनी पड़ रही है, कीमतें कुछ अधिक मजबूत हैं और खरीदार पहले से अधिक सतर्क हैं।

ये परिस्थितियां एक असमान बाजार बना रही हैं। स्पार्कलिंग वाइन अधिक लचीली दिख रही है। बोतलबंद स्टिल वाइन पर दबाव ज्यादा है। बल्क वाइन छोटी फसलों और कमजोर मांग से सीमित हो रही है। यूरोप के भीतर व्यापार धीमा पड़ा है, और उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और ओशिनिया के निर्यातक भी प्रमुख बाजारों को अपने शिपमेंट में इसका असर महसूस कर रहे हैं। Del Rey AWM की पहली छमाही की समीक्षा संकेत देती है कि उद्योग कीमतों में व्यवधान के सबसे तीखे चरण से आगे निकल चुका है, लेकिन अभी भी सतत वृद्धि के दौर में नहीं पहुंचा है।